Nai Dunia (Indore), 8th April 2023, Nai Dunia City, Page – 01

शिक्षा, शोध व सपनों की दुनिया में इंदौर के दो और कदम

औसत वेतन में बढ़ोतरी, आज प्लेसमेंट रिपोर्ट होगी जारी

वैश्विक चुनौतियों के बीच देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के औसत वेतन में बढ़ोतरी हुई है। बीते सत्र के मुकाबले बीस फीसद वेतन बढ़ाकर कंपनियों ने विद्यार्थियों को आफर किए हैं। शनिवार को विश्वविद्यालय अपनी सालाना प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी करेगा। विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी को पहले ही अब तक का सर्वाधिक पैकेज प्राप्त हुआ है।

पिछले वर्षों की तरह इंजीनियरिंग और प्रबंधन के छात्रों ने प्लेसमेंट में अपना दबदबा कायम रखा, क्योंकि ज्यादातर अच्छे वेतन की नौकरियां इन विद्यार्थियों को मिली हैं। प्लेसमेंट सेल के एक सदस्य के अनुसार बीते साल जहां 5.23 लाख रुपये की औसत वेतन की नौकरियां विद्यार्थियों को आफर हुई थीं। इस बार आंकड़ा छह लाख पार पहुंच चुका है, जबकि उच्चतम अंतरराष्ट्रीय पैकेज की जाब इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडी (आइआइपीएस) के एक विद्यार्थी को मिल

चुकी है। कंपनी ने एक करोड़ 14 लाख रुपये का पैकेज दिया है। दरअसल, सालभर आइआइपीएस, आइएमएस, आईईटी, कामर्स, डाटा साइंस, कम्प्यूटर साइंस, अर्थशास्त्र सहित अन्य विभागों में प्लेसमेंट के लिए कंपनियां आई हैं। करीब 1400 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ है।

आइआइटी व एम्स ने किया शोध के लिए समझौता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर व एम्स भोपाल के बीच समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत शैक्षणिक और शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके माध्यम से मेडिकल साइंस को नई दिशा देने में आसानी होगी। यहां तक कि दोनों संस्थान नए पाठ्यक्रम और डिग्री अनुदान कार्यक्रम तैयार कर शुरू करेंगे। साथ ही दोनों संस्थानों के बीच स्टूडेंट्स-फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम भी किए जा सकेंगे। दोनों संस्थान संयुक्त शिक्षा और अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लेने के लिए, संकाय विशेषज्ञों सहित, संसाधनों का सहयोग और साझा किए जाएंगे। इन संस्थान स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी सहित उभरते डोमेन में संयुक्त कार्यक्रम रखेंगे।

समझौते के तहत आइआइटी द्वारा एम्स में उद्यमशीलता का भाव और नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के आइडिया को

स्टार्टअप में बदलने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही विचार व उत्कृष्टता केंद्रों के लिए भी दोनों संस्थान सहयोगी कार्यक्रम करेंगे। समझौते पर आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी और एम्स भोपाल के कार्यकारी निदेशक व सीईओ प्रो. (डा.) अजय सिंह ने हस्ताक्षर किए हैं।